सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 123, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में जिलाधिकारियों की लगाई... » Pg02

पहलगाम आतंकियों के मददगार को छोड़ेंगे नहीं » Pg12

आर्मी कैंट की तस्वीरें भेजता था पाकिस्तान

हनी ट्रैप में फंसा जासूस मोची पंजाब में गिरफ्तार

सुनील ने सैनिक छावनी के पास बनाया था रहने का ठिकाना । खुफिया विंग कर रही मामले की जांच

वॉट्सऐप चैट से हुआ खुलासा

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया।

बठिंडा (पंजाब)। देश का नमक खाने वाला ही देश का गद्दार निकला। पेशे से मोची कोई आम नागरिक नहीं बल्कि पाकिस्तान का जासूस बनकर रह रहा था। आरोपी बिहार से आकर पंजाब में सेना से जुड़ी सूचनाएं पाकिस्तान भेज रहा था। आरोपी की पाकिस्तान की एक युवती के साथ दोस्ती थी और उसी के कहने पर यह सब कर रहा था। बठिंडा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। बठिंडा पुलिस ने सैनिक छावनी बठिंडा की जासूसी करने के आरोप में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है।

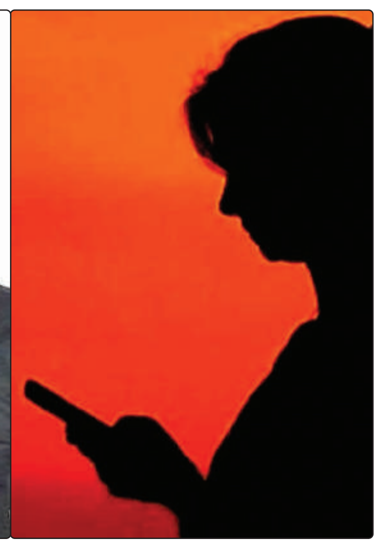

थाना कैंट पुलिस ने आरोपी व्यक्ति पर मामला दर्ज कर उसे पूछताछ शुरू कर दी है, लेकिन अब तक की गई पूछताछ में यह सामने नहीं आया है कि वह बठिंडा सैनिक छावनी की अदरूनी जानकारी पाकिस्तान को भेज रहा था। उसके मोबाइल फोन पर सरहद पार की महिला से वाट्सएप बातचीत होने का खुलासा हुआ है, लेकिन वह बातचीत कुछ संदिग्ध नहीं है। वहीं देश की सुरक्षा से जुड़े होने के चलते पुलिस और सेना इस मामले को गंभीरता से लेकर जांच कर रही है। वहीं कई पहलुओं पर इसकी जांच की जा रही है, ताकि सच सामने आ सके।

बताया जा रहा है कि पकड़ा गया आरोपी मोची का काम करता है। पिछले कई सालों से बठिंडा सैनिक छावनी के नजदीक बने बेअंत नगर में रह रहा है। आरोपी मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला सुनील कुमार है। आरोपी सुनील कुमार से बठिंडा पुलिस एक गुप्त जगह ले जाकर करीब दो घंटे तक पूछताछ भी की है। इस मामले के बाद सैन्य का खुफिया विंग भी सतर्क हो गया है। बताते चले कि 15 दिन पहले बठिंडा सैन्य छावनी के भीतर दाखिल हुए एक संदिग्ध को भी गिरफ्तार किया गया था, जोकि अवैध तरीके से छावनी के अंदर दाखिल हो गया था। फिलहाल सेना का खुफिया विंग दोनों मामलों की जांच कर रहा है।

पाकिस्तानी युवती से हुई थी दोस्ती

युवक सुनील अविवाहित है और पाकिस्तानी लड़की ने हनीट्रैप में फंसा उसे पैसों का लालच दिया और कैंट की जानकारी उससे लेनी शुरू की। पुलिस ने मोबाइल जब्त करके जांच शुरू कर दी है। लोगों पर निगरानी रखी जा रही है। बठिंडा सैन्य छावनी में भी कई युवकों के मोबाइल फोन सर्विलांस पर थे। सेना की खुफिया विंग ने कैंट में ही मोची का काम करने वाले युवक सुनील से शक के आधार पर पूछताछ की। फिर उसके मोबाइल फोन की जांच की। इसमें 2023 की वाट्सएप चैट मिली, जो युवक और पाकिस्तान की एक लड़की के बीच थी। सेना अधिकारियों ने उससे पूछताछ की तो उसने खुलासा किया कि उसकी पाकिस्तान की एक लड़की से दोस्ती हो गई थी।

पुलिस ने शक के बाद पर आरोपी से की पूछताछ

बठिंडा कैंट में मोची का काम करने वाले आरोपी को सेना के अधिकारियों ने सोमवार को बठिंडा सैन्य छावनी की जासूसी करने के आरोप में पकड़ा। आरोप है कि युवक पाकिस्तान को सेना से जुड़ी सूचनाएं भेजा करता था। सेना की खुफिया विंग ने पूछताछ के बाद युवक को थाना कैंट पुलिस के हवाले कर दिया है। कैंट पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। युवक की पहचान सुनील कुमार उम्र 26 साल के तौर पर हुई है और वह बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला है। बीते 10 साल से वह बठिंडा के बेअंत नगर में रह रहा है।

योगदान को मान्यता

सीएम योगी बोले- भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर

यूपी की चार हस्तियों को पद्मश्री से किया सम्मानित

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली/लखनऊ। उत्तर प्रदेश की चार हस्तियों को पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया है। इसमें यूपी विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित, डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल, गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ और डॉ. सत्यपाल सिंह का नाम शामिल है। इन सभी सम्मानित जनों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित किया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित जनों को बधाई दी है। सीएम योगी ने कहा कि देश और प्रदेश के लिए इनका योगदान महत्वपूर्ण हैं।

सीएम योगी ने कहा कि कला, साहित्य खेल जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में दिया गया इनका विशिष्ट योगदान भावी पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर के रूप में है। देश के 10 पद्म श्री पुरस्कार में चार उत्तर प्रदेश के विभूतियों को मिलना प्रदेश के लिए गर्व की बात है। सीएम योगी ने इन सभी को एक्स पर पोस्ट कर बधाई दी है।

सीएम योगी ने प्रख्यात चित्रकार, लेखक और समर्पित शिक्षक डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल को पद्म श्री मिलने पर बधाई दी है। सीएम ने कहा कि उनकी साधना, शिक्षण और सृजनशीलता ने भारतीय कला-जगत में अमिट छाप छोड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि आपका यह सम्मान संपूर्ण कला जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। कला क्षेत्र आपके योगदानों से निरंतर प्रेरणा प्राप्त करता रहेगा।

इसी तरह पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित हुए यूपी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित को बधाई देते हुए उनकी लेखनी भारतीय संस्कृति, दर्शन और जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ति है। सीएम ने कहा कि आपके लेखन में गहन राष्ट्रीय, सामाजिक और सांस्कृतिक चिंतन, राष्ट्रधर्म के प्रति अटूट आस्था और सामाजिक जागरण का संकल्प झलकता है। आपकी लेखनी सदा राष्ट्रबोध का दीप प्रज्वलित करती रहे।

कमिश्नर ने समीक्षा बैठक में जिलाधिकारियों की लगाई क्लास

के. विजयेंन्द्र पाण्डियन की अध्यक्षता में हुई निर्माण कार्यों की सघन समीक्षा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।मंडलायुक्त के. विजयेंन्द्र पाण्डियन की अध्यक्षता में मंगलवार को निर्माण कार्यों की मंडलीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जनपद औरैया में बिल राव परवाड़ी मार्ग के शेरगढ़ घाट पर यमुना नदी सेतु पहुंच मार्ग एवं सुरक्षात्मक निर्माण की परियोजना की भौतिक प्रगति मात्र 22त्न है, जिस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त करते हुए शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। तहसील औरैया में अधिकारियों व कर्मचारियों के आवासों का निर्माण कार्य,नगर पालिका परिषद औरैया में पेयजल पुनर्गठन योजना के संबंध में की 55त्न भौतिक प्रगति पर नाराजगी जताई तथा जल निगम के अधिकारियों को जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

कन्नौज विकास क्षेत्र में तालग्राम – जलालाबाद (डार्क जोन) में नवीन नहर निर्माण परियोजना, कन्नौज क्षेत्रीय पंचायती राज प्रशिक्षण संस्थान अनोगी परियोजना 2016 में स्वीकृत हुई थी जिसे 76त्न पूर्ण किया जा चुका है। कन्नौज में 8 नग न्यायालय कक्ष 2020 से ष्×स्रह्य द्वारा निर्माणाधीन है जिसे अभी तक बनाया जा सकता है, इस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी व्यक्त की। छिबरामऊ में 50 शैया मैनविटी विंग के भवन का निर्माण, विशिष्ट आलू मंडी स्थल ठठिया में सेतु निगम द्वारा निर्माणाधीन फर्रुखाबाद – हरदोई कमालगंज मार्ग पर परमढेया घाट पर गंगा नदी पर सेतु निर्माण, आसरा आवास योजना साजरी सनिगवां, महाराजपुर में नवनिर्मित आवासीय योजना में आवंटियों द्वारा ना रहने पर नाराजगी व्यक्त की गई जबकि यहां 800 से अधिक परिवारों को रहना है। जयपुरिया स्कूल के निकट रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण, कानपुर मेट्रो रेल परियोजना, आसरा आवास योजना, घाटमपुर के निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई तथा उनके निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।झांसी – कानपुर रेल मार्ग पर दादा नगर के पास दूसरे 2 लेन रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण कर की समीक्षा की गई। मंडल आयुक्त सदर तहसील कानपुर नगर के पीछे मल्टीलेवल पार्किंग का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण कराया जाने के निर्देश दिए। इसके अलावा नई चकेरी एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग मार्ग का चौड़ीकरण किया जाना है,

जहां से पेड़ों को काटे बगैर निर्माण कार्य जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए। कल्याणपुर–शिवली शिवराजपुर मार्ग के 2 लेन से फोर लेन तक चौड़ीकरण करने के संबंध में समीक्षा की गई। मण्डलायुक्त ने समस्त परियोजनाओं में देरी हुई तो शासन को संबंधित संस्था व अधिकारियों के विरुद्ध शासन को पत्र लिखकर कार्रवाई किए जाने के संस्तुति किए जाने की चेतावनी दी।

888 आसरा आवासों का क्यों नहीं हुआ हैंडओवर

कानपुर देहात में औरैया – कंचौसी रेलवे स्टेशन का निकट उपरिगामी सेतु का निर्माण, आसरा आवास योजना, अकबरपुर कानपुर देहात जो कि 2014 से निर्माणाधीन है, जिसमें 888 परिवारों को रहना है, जिसे अभी तक संबंधित को हस्तगत नहीं करने पर सी×डीएस और जल निगम के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की।नवीन आश्रम पद्धति विद्यालय, अकबरपुर और उत्तर प्रदेश जल निगम द्वारा निर्माणाधीन कल्याणपुर– बिठूर सीवर लाइन समेत अन्य परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मंडलायुक्त ने परियोजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश देते हुए संबंधित जिलाधिकारी को भी मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

बिना अनुमति रोड कटिंग करने पर एफआईआर दर्ज होगी

मंडलायुक्त द्वारा कानपुर मंडल के एक करोड़ से अधिक लागत के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान समस्त परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बिना अनुमति रोड कटिंग करने पर एफआईआर दर्ज होगी तथा रिकवरी भी कराई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क मार्ग को खोद कर छोड़ देने वालों पर कार्रवाई कराई जाएगी। मंडल आयुक्त द्वारा इटावा में राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज, औरैया में फफूंद नगर पंचायत पुनर्गठन पेयजल योजना, कन्नौज में भीमराव अंबेडकर राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय,छिबरामऊ के गंगेश्वर तालाब अमृत सरोवर के विकास कार्य करने में लेबर बढ़ाए जाने तथा बरसात के मौसम के पहले कर पूर्ण कर जाने के निर्देश दिए गए। वहीं, कन्नौज में 2016 से बाल संग्रहालय निर्माणाधीन है जिस पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त किया। छिबरामऊ तहसील में गौ संरक्षण केंद्र की समीक्षा की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, निजामपुर का निर्माण कर 2014 से लंबित है इस पर भी उन्होंने नाराजगी व्यक्त की।इस पर नाराजगी व्यक्त की। वहीं, फर्रुखाबाद शहर के वार्ड नंबर 10 में 24 म 7 पेयजल आपूर्ति योजना में मात्र दो प्रतिशत प्रगति होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे जून 2026 तक पूर्ण कराए जाने के सख्त निर्देश दिए। समीक्षा बैठक मंडलायुक्त के अतिरिक्त कानपुर मंडल के समस्त जिलाधिकारी, समस्त मुख्य विकास अधिकारी समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

डीएम ने दिलाई कान की मशीन तो सुनने लगी सरिता

डीएम बोले, जनता की समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान करें

» ससुर बोले- इलाज कराने में असमर्थ थेसिर्फ एक घंटे में ही बना मृत्यु प्रमाणपत्र

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सोमवार सुबह दस बजे कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर रहे थे। तभी एक बुजुर्ग अपनी बहू के साथ पहुंचा और फरियाद लगाने लगा। बुजुर्ग ने कहा कि उसकी बहू को दोनों कान से सुनाई नहीं देता है और सरकारी अस्पताल में सुविधा न होने की बात कहकर निजी अस्पताल भेजा जा रहा है। यह सुनते ही डीएम ने एक निजी अस्पताल के संचालक से मोबाइल पर बात करके न सिर्फ निःशुल्क इलाज का इंतजाम कराया बल्कि एलिम्को से मिलने वाली हियरिंग मशीन भी उपलब्ध कराई। वहीं, 9 माह से भटक रही एक महिला को सिर्फ एक घंटे में ही मृत्यु प्रमाणपत्र उपलब्ध कराया। डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह ने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता को परेशान न करें। उनकी समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान करें।

जिलाधिकारी रोज की तरह कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई कर रहे थे। फरियादियों की लंबी कतार लगी थी। इसी बीच हरदेव नगर, बर्रा निवासी बृजेश कुमार अपनी बहू रमिता कुमारी के साथ पहुंचे और रोने लगे।

बृजेश ने बताया कि बहू रमिता मूलतः बिहार की रहने वाली है। उसे दोनों कान से सुनाई नहीं पड़ता है। पिछले आठ माह से कई सरकारी अस्पतालों के चक्कर लगा रहे हैं, जहां इलाज की सुविधा न होने की बात कह कर निजी अस्पताल भेजा जा रहा है। समस्या जस की तस है।

रमिता की समस्या देख डीएम ने तुरंत एक निजी अस्पताल के डायरेक्टर से बात की। उन्होंने समस्या का निराकरण करने का आग्रह किया। इस पर डायरेक्टर ने सहमति जताते हुए पीड़िता रमिता को अस्पताल बुलाया और उसका निःशुल्क इलाज शुरू कर दिया है। वहीं, डीएम की पहल पर रमिता को एलिम्को से मिलने वाला हियरिंग उपकरण दे दिया गया है, जिससे उसे काफी राहत मिलेगी। वहीं कुली बाजार निवासी स्नेहा ने डीएम के सामने फरियाद लगाई कि मां अनीता देवी का जुलाई 2024 में निधन हो गया था। इसके बाद से वह लगातार मृत्यु प्रमाणपत्र बनवाने के लिए चक्कर काट रही है। स्नेहा की बात सुनते ही डीएम ने संबंधित अधिकारी से बात की। स्नेहा को एक घंटे में मृत्यु प्रमाणपत्र बनकर मिल गया।

लोड बढ़ने से फुंके उपकरण, गुल हुई बिजली; कानपुर में बिजली नहीं आने से 50 हजार से अधिक लोग हुए परेशान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। तापमान बढ़ने की वजह से बिजली उपकरणों पर लोड बढ़ने लगा है, जिसके कारण वह क्षतिग्रस्त हो जा रहे हैं। बिजली उपकरण फुंकने की वजह से करीब 50 हजार लोगों को बिजली संकट का सामना करना पड़ा। इसके अलावा आरडीएसएस योजना के तहत कार्य की वजह से 25 जगहों की बिजली आपूर्ति सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक गुल रही। पटकापुर में तड़के चार बजे इनडोर व आउटडोर केबिल बॉक्स क्षतिग्रस्त हो गया। सुबह साढ़े नौ बजे बिजली आ सकी। 33केवी का ब्रेकर बदलने की वजह से चमनगंज उपकेंद्र से जुड़े सभी फीडरों की बिजली सुबह 10 बजे से दोपहर तीन बजे तक गुल रही। बीमा चौराहा क्षेत्र की बिजली एचटी लाइन पर पेड़ गिरने की वजह से दोपहर दो बजे से शाम चार बजे तक नहीं रही। इसके अलावा रतनलाल नगर और गोपाला फीडर की बिजली 33 पीजी क्लैंप क्षतिग्रस्त होने से सुबह 11 बजे चली गई, जो दोपहर एक बजे तक आई। वहीं, केआईटी फीडर की बिजली लोक निर्माण विभाग की जेसीबी से कार्य के दौरान गुल हो गई, क्योंकि जेसीबी से भूमिगत केबिल क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके अलावा 25 से अधिक जगहों पर आरडीएसएस योजना के तहत सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक बिजली नहीं रही।

बच्चों ने कैण्डल मार्च निकाल शहीदों को याद किया

» आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने निकाला कैण्डल मार्च

दो मिनट का मौन रख शहीदों एवं पीड़ित परिजनों के लिए की प्रार्थना

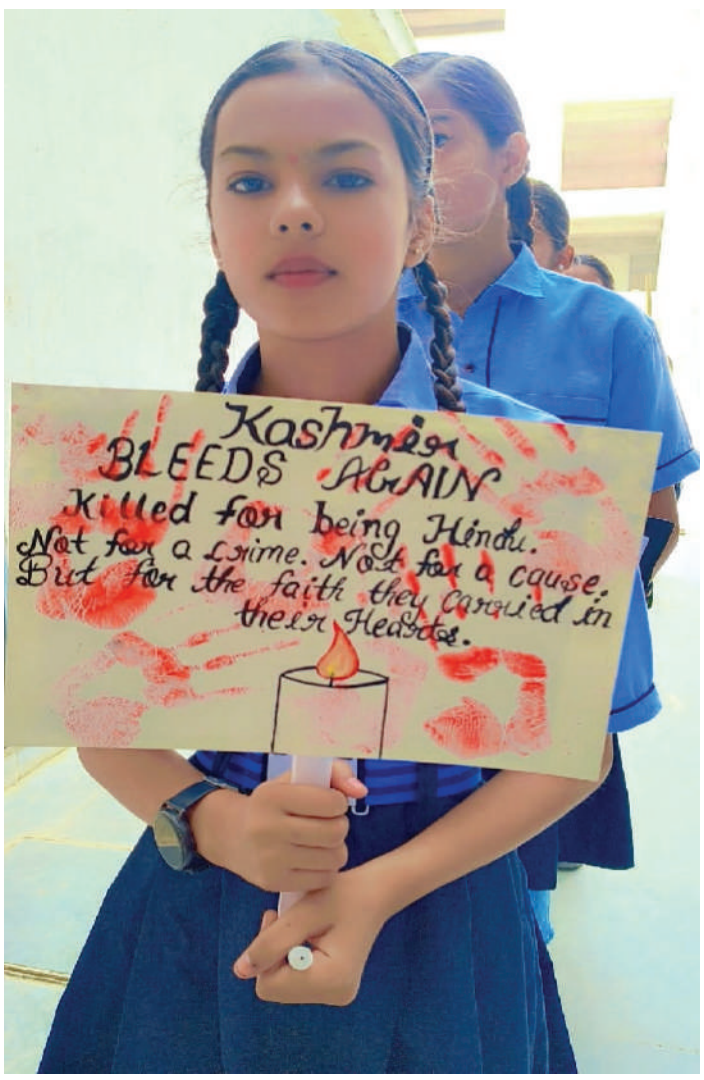

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पूरे देश भर में निंदा हो रही है। हर वर्ग इस घटना से दुखी है। और विरोध कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखा रहा है। बिल्हौर मकनपुर स्थित आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने पहलगाम में हुई घटना से दुख जाहिर करते

हुए पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति अपनी एकजुटता व्यक्त करने और शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए सोमवार को मौन कैंडल मार्च निकाला। हाथों में मोमबत्तियाँ एवं मार्मिक स्लोगन लिखे बोर्ड लिए, छात्रों ने स्कूल परिसर के अंदर शांतिपूर्वक मार्च करते हुए अपनी सामूहिक पीड़ा और हिंसा की निंदा की।

प्रधानाचार्या लकी जैन ने कहा यह एक भयानक घटना है जिसने हम सभी को झकझोर कर रख दिया है। निर्दोष लोगों की जान जाना बहुत दुखद है। हम शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं। इस तरह की हिंसा का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। यह कभी नहीं होनी चाहिए। स्कूल निदेशक आरती कटियार ने कहा यह बहुत दुखद घटना है जिसने हम सबको अंदर तक हिला दिया है। उन बेकसूर लोगों की जान जाना बहुत दर्दनाक है, और मैं उन दुखी परिवारों के साथ हूँ।

मार्च के बाद पूरे स्कूल समुदाय जिसमें छात्र,शिक्षक, प्रधानाचार्य और निदेशक ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। एवं शहीदों के लिए प्रार्थना की। इस दौरान स्कूल स्टाफ व छात्र मौजूद रहे।

सम्पादकीय

जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सार्थक पहल

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरा देश दुख और गुस्से की मनःस्थिति से गुजर रहा है, जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने शांति और सांप्रदायिक सद्भाव का एक सशक्त संदेश दिया है। जो कि वक्त की जरूरत भी थी। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान सदन ने सर्वसम्मति से इस वीभत्स हत्याकांड की पुरजोर निंदा करते हुए बाकायदा एक प्रस्ताव पारित किया। जिस आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया, लोगों को आक्रोशित तथा दुखी किया, उसके खिलाफ जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाना व निंदा प्रस्ताव पारित करना निश्चित रूप से देश के जख्मों पर मरहम लगाने जैसा ही है। निश्चय ही यह संदेश देश की गंगा-जमुनी संस्कृति के अनुरूप ही है। निर्विवाद रूप से आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है, लेकिन हर धर्म के व्यक्ति को खुले मन से आतंकियों की निंदा करनी चाहिए। यह विडंबना ही है कि यह भयावह घटना राज्य से केंद्रशासित बने जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और सक्रिय भागीदारी वाले विधानसभा चुनावों के बाद उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के छह माह बाद हुई। ऐसे में मुख्यमंत्री के लिये सबसे बड़ी चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि संवेदनशील केंद्र शासित प्रदेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के पुनरुद्धार से होने वाले लाभ यूं ही व्यर्थ न चले जाएं। यह सकारात्मक संदेश ही है कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने आतंक को सिरे से खारिज किया है। यही वजह है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला नरसंहार के बाद घाटी के लोगों के दिलों से सीधे निकल रहे आक्रोश और दुख को कश्मीर के लिये एक उम्मीद की किरण के रूप में देखते हैं। जो पाक पोषित आतंकवाद को नकारने जैसा ही है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में कहा भी कि इस केंद्रशासित प्रदेश की हर मस्जिद में पहलगाम हमले में मारे लोगों की याद में मौन रखा गया। जो यह बताता है कि धर्म-संप्रदाय से परे लोग पूरे देश की संवेदनाओं को महसूस करते हैं। साथ ही आतंकवाद को सिरे से खारिज भी करते हैं।

निश्चित रूप से इस नये कश्मीर से आया यह संकेत दिल को छूने वाला है। जो यह भी बताता है कि अभी भी सब कुछ खत्म नहीं हुआ है। निश्चित रूप से राष्ट्रीय एकता, करुणा और लचीलेपन की यह भावना स्वागत योग्य है। साथ ही यह भी उम्मीद जगी है कि यह नई सोच विघटनकारी ताकतों का मुकाबला कर सकती है। उन अलगाववादियों का जो विकासशील जम्मू-कश्मीर को फिर से 1990 के दशक की शुरुआत के बुरे दौर में धकेलना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री होने के नाते उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया किया है कि वे राज्य में आये पर्यटकों को सुरक्षित घर वापस भेजने की अपनी जिम्मेदारी में विफल रहे हैं।

खुफिया तंत्र की मजबूती से थमेंगे आतंकी हमले

उदय सी भास्कर

कारगिल युद्ध के बाद, तत्कालीन प्रधानमंत्री वाजपेयी ने दिवंगत के. सुब्रह्मण्यम की अध्यक्षता में कारगिल समीक्षा समिति (केआरसी) का गठन किया था। खुफिया विभाग की कारगुजारी से संबंधित इन निष्कर्षों को याद करना जरूरी है। केआरसी रिपोर्ट में कहा गया है, 'विभिन्न स्तरों पर एजेंसियों और उनकी दी जानकारी इस्तेमाल करने वालों के बीच समन्वय या उद्देश्य-उन्मुख संपर्क के लिए कोई संस्थागत तंत्र नहीं है।

एक दुर्लभ और स्वागत योग्य घटनाक्रम में, केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले के दो दिन बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में बंद कमरे में सर्वदलीय बैठक बुलाई। मीडिया रिपोर्टों में विचार-विमर्श के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डाला गया। पहली बात, सभी राजनीतिक दल इस बात पर सहमत थे कि भारत को आतंकवाद से एकजुट होकर लड़ना चाहिए। मीडिया को जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, 'सभी दलों के नेताओं ने एक स्वर में कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाएगी, हम उसका समर्थन करेंगे।'

इस आम सहमति का सावधानी से स्वागत किया जाना चाहिए क्योंकि कई नेताओं ने अपनी सार्वजनिक टिप्पणियों में राष्ट्रीय एकता पर ध्यान केंद्रित किए रखा और हमले के बाद अपने एतराज जताने से बचने की कोशिश की है। वे सांप्रादायिक व धार्मिक उन्माद को भड़काने से काफी हद तक दूर रहे, जो पिछले एक दशक से घरेलू राजनीतिक विमर्श पर हावी है। इस प्रवृति ने भारत के सामाजिक सौहार्द को कमजोर किया है, जिसका आंतरिक सुरक्षा पर क्षयकारी प्रभाव पड़ता है।

इस तथ्य के मद्देनज़र कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सर्वदलीय बैठक में शामिल न होकर बिहार में चुनावी रैली में भाग लेना चुना, इसको लेकर विपक्षी दलों ने आलोचना की, उनकी अनुपस्थिति ने बैठक के महत्व को कम कर दिया। सवाल उठता है अगर पहलगाम हमले की वजह ने प्रधानमंत्री को सऊदी

अरब की अपनी यात्रा बीच में ही स्थगित करने को प्रेरित किया, तो क्या ऐसे में एक सूबे की चुनावी रैली को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी?

सर्वदलीय बैठक में सरकार द्वारा पहलगाम मामले में हुई चूक की एक दुर्लभ स्वीकारोक्ति भी देखी गई, जिसकी वजह से यह त्रासदी घटित हुई। एक नेता, जो कि 'सत्तारूढ़ गठबंधन' का बताया जा रहा है, उसने कथित तौर पर वाकपटुता बरतते हुए कहा, 'अगर कुछ भी गलत नहीं हुआ होता, तो हम यहां क्यों बैठे होते? कहीं न कहीं चूक हुई है, जिसका हमें पता लगाना होगा।' यह जून, 2020 में गलवान संघर्ष के बाद जो हुआ, उससे थोड़ा-सा अलग लेकिन सकारात्मक बदलाव है। चूकें, कहने को, खुद-ब-खुद समीक्षा करने योग्य हैं।विपक्षी दलों के सवालों का जवाब देते हुए सरकार ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने बैसरन घास मैदान को सैलानियों के लिए खोलने से पहले सुरक्षा एजेंसियों को सूचित नहीं किया, जिस तक पहुंच आमतौर पर जून में अमरनाथ यात्रा तक प्रतिबंधित रहती है। देखा जाए तो, यह एक अजीबोगरीब दावा है, जबकि 2019 में संयुक्त जम्मू-कश्मीर का विभाजन करने के बाद कश्मीर में पर्यटन को बढ़ावा देने में भारी निवेश किया गया है। बैठक में यह भी खुलासा हुआ कि जिस जगह पर आतंकवादियों ने हमला किया था, वहां तक पहुंचने के लिए '45 मिनट की चढ़ाई करनी पड़ती है और इस प्रकार की आपात स्थितियों को तेज़ी से निपटने के वास्ते कोई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) पहले से मौजूद नहीं थी'।यह देखते हुए कि कश्मीर में उच्च घनत्व वाली सुरक्षा और खुफिया ग्रिड काम करती है ।

आर्थिक-कूटनीतिक मोर्चों पर पाक से बहुत आगे भारत

युद्ध की आशंका के बीच

जयंती लाल भंडारी

भारत पाक से आर्थिक ताकत के हिसाब से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। ऐसे में युद्ध की आशंका में जहां भारत युद्ध के भारी खर्चों को वहन करने की स्थिति में होगा, वहीं युद्ध होने पर पाक की कमजोर अर्थव्यवस्था बर्बादी की ओर उन्मुख होगी।इन दिनों पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान को सिखाए जाने वाले सबक के मद्देनजर अंतरराष्ट्रीय मीडिया व विशेषज्ञों द्वारा कहा जा रहा है कि भारत सैन्य ताकत की दृष्टि से पाकिस्तान से बहुत मजबूत है। भारत द्वारा पाकिस्तान पर सैनिक कार्रवाई में कोई दिक्कत नहीं है। भारत सरकार के पास वैश्विक कूटनीतिक समर्थन, आर्थिक संबल व देश की जनता का अभूतपूर्व समर्थन है।गौरतलब है कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान से गोलीबारी की जा रही है।?

भारत की आर्थिक मजबूती भी भारत के लिए प्रभावी हथियार बनी हुई है। वस्तुतः इस समय भारत पाक से आर्थिक ताकत के हिसाब से दस गुना से भी अधिक मजबूत है। ऐसे में युद्ध की आशंका में जहां भारत युद्ध के भारी खर्चों को वहन करने की स्थिति में होगा, वहीं युद्ध होने पर पाक की कमजोर अर्थव्यवस्था बर्बादी की ओर उन्मुख होगी।गौरतलब है कि

सरकार ने 23 अप्रैल को पाकिस्तान के साथ व्यापार रोकने, पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को निकालने, सार्क वीजा रियायत योजना के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को दिए वीजा निरस्त करने और सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि 1960 में हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि को 1965, 1971 और 1999 में पाक युद्ध के समय भी स्थगित नहीं किया गया था। भारत द्वारा सिंधु जल संधि का स्थगन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पाक का एक बड़ा हिस्सा सिंधु नदी के पानी से पेयजल, खेती व बिजली उत्पादन तक की गतिविधियों के लिए निर्भर है। पाक के जीडीपी का करीब 25 फीसदी सिंधु जल व्यवस्था पर निर्भर है। तभी पाक की बौखलाहट दिखाई दे रही है।ग्लोबल फायरपावर इंडेक्स 2025 के अनुसार, भारत विश्व की चौथी सबसे मजबूत सैन्य शक्ति वाला देश है, वहीं पाकिस्तान अब 12वें नंबर पर पहुंच गया है। यह इंडेक्स विभिन्न देशों की पारंपरिक युद्ध क्षमताओं के 60 से अधिक फैक्टर्स जैसे जनसंख्या, रक्षा बजट, सैन्य संसाधन, क्रय शक्ति, और सामरिक स्थिति को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। भारत के सक्रिय सैनिकों की संख्या लगभग 14.55 लाख है, जो पाकिस्तान के 6.54 लाख सक्रिय सैनिकों की तुलना में कहीं अधिक है। इसके अलावा, भारत के पास ज्यादा रिजर्व सैनिक और पैरामिलिट्री फोर्सेज भी हैं। थल सैन्य शक्ति के अलावा भारत की वायु और जल सैन्य शक्ति भी पाकिस्तान से बहुत अधिक है। यह भी महत्वपूर्ण है कि फेडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स (एफएएस) के मुताबिक जहां भारत के पास 180 परमाणु हथियार हैं, वहीं पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। लेकिन भारत के परमाणु हथियार न्यूक्लियर डोमेन में पाकिस्तान से बहुत आगे हैं। इतना ही नहीं भारत न्यूक्लियर ट्रायड यानी जल, थल और आकाश तीनों में परमाणु हथियार दागने की क्षमता रखता है।

शरीर के छोटे संकेत, सेहत के बड़े संकट!

जब शरीर में धीरे-धीरे टॉक्सिन्स पदार्थ जमा होने लगते हैं। वहीं जब यह जरूरत से ज्यादा जमा हो जाते हैं, तो इनको बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता है। जिसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं।

सुस्ती और थकान लगना अगर आपको हर समय थकान और सुस्ती महसूस होती रहती है, काम में फोकस करने में समस्या आती है। या फिर ब्रेन फॉग महससू होता है। तो इसका मतलब हो सकता है कि आपका लिवर टॉक्सिंस को सही तरह से प्रोसेस नहीं कर पा रहा है।

पिंपल्स और रैशेज होना

अगर आपको स्किन पर बार-बार रैशेज, पिंपल्स या खुजली आदि होती है और स्किन दिखाई देती है, तो इसका मतलब हो सकता है कि लिंफेटिक सिस्टम में टॉक्सिन जमा हो रहे हैं।

ब्लोटिंग और कब्ज

बार-बार कब्ज, ब्लोटिंग और अपच की समस्या होने पर यह खराब गट हेल्थ और टॉक्सिन जमा होने का संकेत होता है। मुंह से बदबू आना अगर आपके मुंह से बदबू आती है और जीभ पर सफेद परत जम गई है। तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि आपके पेट में टॉक्सिन जमा हो रहे हैं। वहीं आपका पाचन तंत्र भी सही से काम नहीं कर रहा है। जुकाम और साइनस होना साइनस, सांस लेने में दिक्कत और बार-बार जुकाम की समस्या होने पर हो सकता है कि आपके फेफड़ों में टॉक्सिन जमा हो गए हैं।

जोड़ो में दर्द और सूजन होना बता दें कि जोड़ों में दर्द, सूजन और शरीर में पानी जमा होने की समस्या इस बात का संकेत होता है कि किडनी सही से टॉक्सिन को फिल्टर नहीं कर पा रही है।

डिस्क्लेमर इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें। आजकल की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में खुद का ध्यान रखने का मौका नहीं मिल पाता है।

अनहेल्दी खानपान और लाइफस्टाइल की वजह से शरीर में धीरे-धीरे टॉक्सिन्स पदार्थ जमा होने लगते हैं। वहीं जब यह जरूरत से ज्यादा जमा हो जाते हैं, तो इनको बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता है। जिसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन 5 लक्षणों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो यदि शरीर में नजर आते हैं। तो इसका मतलब है कि आपके शरीर को डिटॉक्स करने की जरूरत है।

सत्तू का शरबत, गर्मी का अंत!

सत्तू के शरबत पोषक तत्वों से भरपूर होता है और आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में सहायत साबित हो सकता है। लेकिन क्या आपने कभी बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाया है। आज हम आपको बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाने के रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

गर्मियों के मौसम में हम सभी को अपनी सेहत का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में शरीर को अंदर से ठंडा रखने और स्वस्थ रहने के लिए सत्तू के शरबत को पीने की सलाह दी जाती है।

सत्तू हमारी सेहत के लिए कितना फायदेमंद होता है, यह तो आप सभी जानते होंगे। आप गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन कर सकते हैं।

यह पोषक तत्वों से भरपूर होता है और आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखने में सहायत साबित हो सकता है। लेकिन क्या आपने कभी बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाया है। अगर नहीं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहारी स्टाइल सत्तू का शरबत बनाने के रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री

चने का सत्तू - आधा कप, पोदीना के पत्ते - 10, नीबू का रस- 2 चम्मच, हरी मिर्च - आधी, भुना जीरा - आधा छोटी चम्मच, काला नमक - स्वादानुसार या आधा छोटी चम्मच नमक - एक चौथाई चम्मच या स्वादानुसार

ऐसे बनाएं सत्तू का शरबत

यह शरबत बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में सत्तू लें और फिर इसमें थोड़ा-थोड़ा करके पानी मिलाते रहें। इसको तब तक घोलते रहें, जब तक इसके घोल में गांठ न बचें। अब इस मिक्सचर में आपको थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं और फिर भुना जीरा और काला नमक मिलाएं।

यह दोनों चीजें इसके स्वाद को बढ़ाने का काम करता है। फिर बारीक कटी हरी मिर्च और हरा धनिया मिलाएं। अंत में आपको इस मिक्सचर में ठंडा पानी मिलाना है। इस आसान तरीके से सत्तू का टेस्टी और हेल्दी सत्तू का शरबत बनकर तैयार हो जाएगा।

बता दें कि अब आप गिलास में छानकर सत्तू के शरबत को सर्व कर सकती हैं। अधिक ठंडा बनाने के लिए आप चाहें तो इसके कुछ बर्फ के टुकड़े एड कर सकते हैं। गर्मियों में सत्तू के शरबत का सेवन करने से स्वास्थ्य पर पॉजिटव असर देखने को मिलेगा और यह गर्मियों में आपके शरीर को अंदर से ठंडा बनाता है।

बॉडी के हाइड्रेशन से लेकर एनर्जी तक और इम्यूनिटी से लेकर स्टैमिना तक के लिए सत्तू का शरबत फायदेमंद माना जाता है।

परशुराम जयंती, भक्ति का उत्सव!

पंडितों के अनुसार भगवान परशुराम, भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं और यह भगवान शिव के परम भक्त माने जाते है। हिंदू पंचांग के अनुसार, हर साल परशुराम जयंती वैशाख मास के शुक्ल पक्ष के तृतीया तिथि को मनाई जाती है।

आज परशुराम जन्मोत्सव है, परशुराम जन्मोत्सव का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। भगवान परशुराम का अवतार प्रदोष काल में हुआ है। परशुराम जन्मोत्सव, भगवान विष्णु के छठे अवतार माने जाने वाले परशुराम के जन्मदिवस के रूप में मनाया जाता है, तो आइए हम आपको परशुराम जन्मोत्सव व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

पंडितों के अनुसार परशुराम जन्मोत्सव का दिन खास होता है इस दिन अच्छे काम करने से शुभ फल प्राप्त होता है। एक कथा के अनुसार जब समस्त देवी-देवता असुरों के अत्याचार से परेशान होकर महादेव के पास गए तो शिव जी ने अपने परम भक्त परशुराम को उन असुरों का वध करने के लिए कहा जिसके पश्चात परशुराम ने बिना किसी अस्त्र शस्त्र के सभी राक्षसों को मार डाला। यह देख शिवजी अत्यंत प्रसन्न हुए और उन्होंने परशुराम को कई शस्त्र प्रदान किये जिनमें से एक फरसा भी था। उस दिन से वे राम से परशुराम बन गए। परशुराम अपने माता पिता की भक्ति में लीन थे वे अपने माता-पिता की आज्ञा की कभी अवहेलना नहीं करते थे। एक बार उनकी माता रेणुका नदी में जल भरने के लिए गयी वहां गन्धर्वराज चित्ररथ को अप्सराओं के साथ विहार करता देख रेणुका कुछ देर तक वहीं रुक गयीं। जिसके कारण उन्हें घर वापस लौटने में देर हो गयी। इधर हवन में बहुत देरी हो चुकी थी। उनके पति जमदग्नि ने अपनी शक्तियों से उनके देर से आने का कारण जान लिया और उन्हें अपनी पत्नी पर बहुत गुस्सा आने लगा। जब रेणुका घर पहुंची तो जमदग्नि ने अपने सभी पुत्रों को उसका वध करने के लिए कहा। किन्तु उनका एक भी पुत्र साहस नहीं कर पाया। तब क्रोधवश जमदग्नि ने अपने चार पुत्रों को मार डाला। इसके पीछे की कथा है

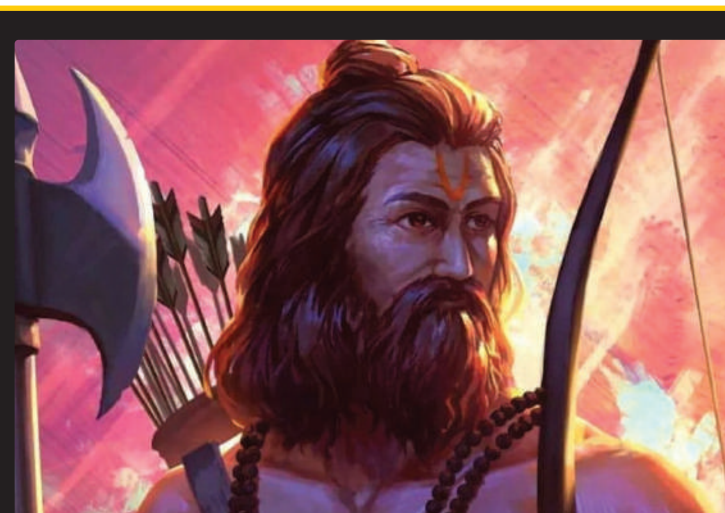

कि एक बार परशुराम कैलाश शिव जी मिलने पहुंचे किंतु महादेव घोर तपस्या में लीन थे इसलिए गजानन ने उन्हें भोलेनाथ से मिलने नहीं दिया। इस बात से क्रोधित होकर परशुराम ने उन पर अपना फरसा चला दिया। क्योंकि वह फरसा स्वयं शंकर जी ने उन्हें दिया था इसलिए गणपति उसका वार खाली नहीं जाने देना चाहते थे। जैसे ही परशुराम ने उन पर वार किया उन्होंने उस वार को अपने दांत पर ले लिया जिसके कारण उनका एक दांत टूट गया तब से गणेश जी एकदन्त भी कहलाते है।

परशुराम जन्मोत्सव का शुभ मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार, परशुराम जन्मोत्सव की तिथि 29 अप्रैल को शाम 5 बजकर 31 मिनट से 31 मिनट से शुरू होगी और तिथि का समापन 30 अप्रैल को दोपहर 2 बजकर 12 मिनट समाप्त होगी।

कानपुर सेंट्रल स्टेशन पर अवैध वेंडरों पर बड़ी कार्रवाई

» मुख्य टिकट निरीक्षक रोमित चतुर्वेदी के नेतृत्व में चलाए गए विशेष जांच में आधा दर्जन से अधिक पकड़े गए

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर मुख्य टिकट निरीक्षक रोमित चतुर्वेदी के नेतृत्व में चलाए गए विशेष जांच अभियान के दौरान आधा दर्जन से अधिक अवैध वेंडरों को पकड़ा गया।

ये वेंडर ट्रेनों में बिना अनुमति के खाद्य और अन्य सामग्री बेच रहे थे।टीम के साथ एक्शन मोड में पहुंचे चतुर्वेदी ने प्लेटफॉर्म और ट्रेनों में छापेमारी की, जिसमें कई वेंडर अनाधिकृत रूप से सामग्री बेचते हुए पाए गए।

सभी को आवश्यक कार्रवाई हेतु आरपीएफ पोस्ट, कानपुर सेंट्रल को सौंप दिया गया है।रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे केवल अधिकृत वेंडरों से ही सामान खरीदें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत अधिकारियों को दें। यात्रियों की सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

अस्थियां गांव में जलभराव और गंदगी बनी मुसीबत

» नालियों से उफन रहा संक्रमण का खतरा

» कागजों में दमदार दावे, जमीन पर बदहाल हकीकत

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड अमरौधा स्थित ग्राम पंचायत अस्थियां की गलियों में बजबजाती नालियां और जलभराव ग्रामीणों के लिए भारी मुसीबत बन चुकी है। सड़क पर कीचड़ और गलियों में भरा गंदा पानी गांव की पहचान बनता जा रहा है। लंबे समय से ग्रामीण इस समस्या से जूझ रहे हैं लेकिन समाधान अब तक नहीं मिल पाया। जल निकासी की नालियां चोक हैं, जिससे गंदा पानी घरों में घुस रहा है और मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है। स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक, सभी को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।भले ही सरकार स्वच्छता अभियान को लेकर करोड़ों खर्च कर रही हो, लेकिन अस्थियां गांव की स्थिति इन दावों की पोल खोल रही है। संचारी रोग नियंत्रण अभियान सिर्फ कागजों में ही सिमटा नजर आ रहा है। भोगनीपुर तहसील मार्ग पर स्थित यह गांव बदहाल स्थिति में नारकीय जीवन जीने को मजबूर है। एडीओ पंचायत अमरौधा का कहना है कि नालियों की मरम्मत जल निगम द्वारा न कराए जाने से समस्या बनी हुई है। फिलहाल सफाई कर्मियों की टीम गांव भेजी गई है और जल्द ही सफाई पूरी कराने का आश्वासन दिया गया है।

एडीओ बोले जल्द होगी कार्यवाही

इस मुद्दे पर जब एडीओ पंचायत अमरौधा से बात की गई तो उन्होंने बताया, गांव की नालियों की मरम्मत जल निगम द्वारा नहीं कराई जा रही, जिससे सफाई में समस्या आ रही है। हमने सफाई कर्मचारियों की टीम गांव भेज दी है और प्राथमिकता के आधार पर पूरी सफाई जल्द कराई जाएगी।

यूपी बोर्ड परीक्षा में राजकीय बालिका विद्यालय मलासा का उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा के राजकीय बालिका विद्यालय में इस वर्ष यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। हाईस्कूल में शिवसागर की पुत्री संजना ने 86.5 प्रतिशत अंक अर्जित कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। कृष्ण चंद्र के पुत्र अर्पित ने 85 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान जबकि जगन्नाथ के पुत्र सूरज सिंह ने 84 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। बच्चों की इस उपलब्धि पर विद्यालय में हर्ष और उत्सव का माहौल रहा। परीक्षा परिणामों की घोषणा के बाद सोमवार को विद्यालय परिसर में मेधावियों के सम्मान में एक विशेष समारोह का आयोजन किया गया।

» सम्मान समारोह में मेधावियों को मिला उत्साहवर्धन

» प्रधानाचार्या शीतला देवी ने दिया सफलता का मंत्र

सम्मान समारोह की अध्यक्षता कर रहीं प्रधानाचार्या शीतला देवी ने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को मिठाई खिलाकर, शील्ड और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में उन्होंने कहा कि कठोर परिश्रम, अनुशासन और निरंतर प्रयास ही किसी भी सफलता की सच्ची कुंजी होते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की सलाह दी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, कार्यालय लिपिक, पूर्व प्रधानाचार्य तथा अनेक अभिभावक भी मौजूद रहे। सभी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और विद्यालय के शिक्षा स्तर की सराहना की।

यमुना नदी में नहाने गए मामा-भांजे हादसे का शिकार

भांजे की मौत से मचा कोहराम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना राजपुर क्षेत्र के जरी गांव के पास सोमवार को दोपहर करीब 11 बजे यमुना नदी में नहाने गए मामा-भांजे अचानक गहराई में डूबने लगे। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने मामा दीपेंद्र सिंह (28 वर्ष), पुत्र बाबू सिंह, निवासी ग्राम बिझोना, थाना सट्टी को किसी तरह बचा लिया, लेकिन उसका भांजा शिवम सिंह (20 वर्ष), पुत्र ब्रजेन्द्र सिंह, निवासी ग्राम डड़वा, थाना चूर्खी, जिला जालौन, गहराई में समा गया।

शव भेजा गया पोस्टमार्टम को

काफी मशक्कत के बाद शिवम को नदी से बाहर निकाला गया और आनन-फानन में परिजन उसे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राजपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई और परिजन गम से बेहाल हो गए।

पुलिस ने की पुष्टि, अग्रिम कार्रवाई जारी-

घटना की सूचना मिलते ही थाना राजपुर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी कालीचरण ने बताया कि यमुना नदी में दो युवकों के डूबने की सूचना मिली थी, जिसमें दीपेंद्र को जीवित बचा लिया गया, लेकिन शिवम की गहराई में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की वैधानिक कार्यवाही प्रचलित है।

रिक्त ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों की चयन प्रक्रिया शुरू

» निवास प्रमाण जरूरी, मेरिट के आधार पर होगा चयन

स्वराज इंडिया न्यूज़ यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक कुमार सिंह के अनुमोदन के बाद जनपद की रिक्त ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायकों की नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विकास खंड मलासा की चार रिक्त ग्राम पंचायतें—गुलौली, डीग, कैलई और लवर्सी—में पंचायत सहायकों का चयन किया जाना है। इसके लिए पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं, जिन्हें दिनांक 06 मई 2025 तक निर्धारित प्रारूप पर ग्राम पंचायत, विकास खंड या जनपद स्तर पर जमा किया जा सकता है।चयन प्रक्रिया के अंतर्गत यह अनिवार्य किया गया है कि आवेदनकर्ता संबंधित ग्राम पंचायत का मूल निवासी हो। चयन हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर किया जाएगा। जिस अभ्यर्थी का औसत अंक सर्वाधिक होगा, उसे पंचायत सहायक पद के लिए प्राथमिकता दी जाएगी। इस प्रक्रिया का उद्देश्य ग्राम स्तर पर सुचारु प्रशासनिक सहयोग सुनिश्चित करना है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

अमृत सरोवर में अमृत नहीं, उड़ रही है धूल

सचिन सिंह/स्वराज इंडिया

सरवनखेडा सूखा पड़ा अमृत सरोवर, दीवारों में दरारें

सरकारी कागजों में शायद लबालब पानी भरा हो...

कानपुर देहात। माती उत्तर प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी योजना अमृत सरोवर मिशन की जमीनी हकीकत चौंकाने वाली है। ग्राम पंचायतों में लाखों रुपए खर्च कर बनाए गए अमृत सरोवर और आदर्श तालाब आज पानी की एक बूंद को तरस रहे हैं। कई तालाबों में दोपहर के समय धूल उड़ती देखी गई, जिससे योजना की विफलता स्पष्ट झलकती है। गर्मी की भीषण लपटों में जहां मनुष्य भी बेहाल है, वहीं बेजुबान पशु-पक्षियों को पीने का पानी तक मयस्सर नहीं हो पा रहा है। गांवों में लगे हैंडपंप ही एकमात्र सहारा हैं, लेकिन जल स्तर गिरने से वे भी जवाब देने लगे हैं। अफसोस की बात यह है कि पंचायत अधिकारी इन हालातों पर बिल्कुल संवेदनशील नहीं दिख रहे। स्थानीय स्तर पर इन मुद्दों को पहले भी मीडिया के माध्यम से उजागर किया गया, लेकिन न तो एडीओ पंचायत चेते और न ही सचिव स्तर के अधिकारियों ने कोई कार्रवाई की। इससे यह जाहिर होता है कि प्रशासनिक उदासीनता किस स्तर तक पहुंच चुकी है।

खास खबर

ग्राम पंचायत गजनेर के सरवनखेडा में स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां का अमृत सरोवर पूरी तरह सूखा पड़ा है। दोपहर में धूल उड़ती नजर आई। शिलान्यास का पत्थर तक नहीं लगाया गया और पुलियों की दीवारों में दरारें आ चुकी हैं। यह निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठाता है और भ्रष्टाचार की बू देता है। मोहाना ग्राम पंचायत में हालात और भी बदतर हैं। अमृत सरोवर एवं आदर्श तालाब सूखे पड़े हैं। प्यासे पशु–पक्षी फैक्ट्रियों से निकलने वाला जहरीला पानी पीने को मजबूर हैं। स्थानीय प्रशासन इन बेजुबानों की तकलीफ तक नहीं सुन पा रहा।

जिठरौली- खुद प्यासा अमृत सरोवर, दूसरों की प्यास क्या बुझाएगा

ग्राम पंचायत जिठरौली में अमृत सरोवर योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है। यहां का तालाब खुद प्यासा है। जब खुद में पानी नहीं है, तो गांव के इंसान और जानवरों की प्यास कैसे बुझेगी। इस पंचायत में भी अमृत सरोवर सूखा पड़ा है।

स्थानीय लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि तालाब में वर्षों से पानी नहीं डाला गया है। जानवर हैंडपंप से अपनी प्यास बुझाते हैं, लेकिन बिजली न हो तो वे भी बेबस रह जाते हैं। ग्राम प्रधान प्राइवेट ट्यूबवेल का बहाना बनाकर जिम्मेदारी से बचते नजर आते हैं।

प्रशासन से संपर्क असफल, जवाबदेही शून्य

इन हालातों को लेकर जब मुख्य विकास अधिकारी लक्ष्मी एन से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो संपर्क नहीं हो सका। यह दर्शाता है कि जिले के आला अधिकारी तक इन जमीनी सच्चाइयों से कितने दूर हैं। सरकार की यह योजना जहां जल संरक्षण और जलस्तर बढ़ाने की दिशा में सराहनीय पहल थी, वहीं ग्राम स्तर पर लापरवाही और भ्रष्टाचार ने इसे मजाक बना कर रख दिया है। तत्काल जांच व कार्रवाई की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में कोई योजना सिर्फ कागजों तक सीमित न रह जाए।

सरकार द्वारा लाखों रुपए खर्च कर अमृत सरोवर व आदर्श तालाबों का निर्माण करवाया है ताकि सभी विषम परिस्थितियों पर पानी का उपयोग कर सकें , लेकिन ब्लाक के अधिकारियों के द्वारा पानी न भरवाना यह भ्रष्टाचार निशानी है, भीषण गर्मी में पशु पक्षी कैसे पानी पीते होंगे , जंगली जानवरों को कोसों दूर जाना पड़ता है पानी पीने के लिए,

हिमांशु सिंह परिहार
बजरंग दल जिला सहसंयोजक बिल्टी

इस वर्ष गर्मी इतनी तेज है , मानो सड़कों पर आग बरस रही हो, आम जन मानस को घर से बाहर निकलना बड़ा मुश्किल साबित हो रहा है, ऐसे में तालाबों में पानी न होना अपने आप में बड़ी समस्या है, अधिकारियों को तुरंत तालाबों पर पानी भरवा देना चाहिए जिससे पशु पक्षी व बेजुबान जानवर को पानी मिल सके ,

रामेंद्र प्रताप सिंह उर्फ चिम्मू
वरिष्ठ समाजसेवी

प्रधान व सचिवों की भ्रष्टाचार भरी लापरवाही बेजुबान पशु पक्षियों को भुगतना पड़ रहा है , इतनी आग उगलने वाली गर्मी पर हम लोगों को बाहर निकलना बड़ा मुश्किल होता है, दोपहर को ऐसे में पांच पक्षियों को पानी बिना कैसा महसूस होता होगा,

शिवराज सिंह चौहान
रामलीला अध्यक्ष गजनेर

नगर पालिका ने राहगीरों के लिए प्याऊ घर खुलवाए

» प्याऊ घर खुलने से भीषण गर्मी में लोगों को मिलेगी राहत

» एसडीएम,ईओ व चेयरमैन ने संयुक्त रुप से फीता काट किया शुभारम्भ

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। भीषण गर्मी में गला तर करने के लिए सोमवार को बिल्हौर नगर पालिका ने कस्बे में दो जगह प्याऊ घर खुलवाए हैं। एक नगर पालिका गेट के पास तथा दूसरा ककवन रोड के सामने नेहरू पार्क के पास।जिससे राहगीरों को काफ़ी राहत मिलेगी। प्याऊ घर का शुभारंभ एसडीएम बिल्हौर रश्मि लाम्बा, नगर पालिका अध्यक्ष इखलाक खान व ईओ अंजनी मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। भीषण गर्मी व बढ़ते तापमान में प्याऊ घर प्यासे लोगों एवं राहगीरों को राहत देने का काम करेगा। नगर पालिका अध्यक्ष इखलाक खान ने बताया कि दिन प्रतिदिन बढ़ते तापमान के चलते रास्तों पर पैदल चल रहे राहगीरों को पानी नहीं मिल पाता था। ऐसे में यह प्याऊ घर लोगों को राहत देने का काम करेगा। नगर पालिका ईओ अंजनी मिश्रा ने बताया कि आम जनमानस एवं राहगीरों के लिए पेयजल एवं छांव की व्यवस्था नगर पालिका द्वारा निशुल्क की गई है।एसडीएम बिल्हौर रश्मि लाम्बा ने नगर पालिका के इस कार्य को देखते हुए पालिका प्रशासन की सरहना की। इस दौरान सभासद फरहा नाज़, बिलकिश, उजमा, अर्शी, अशोक तिवारी, देवेंद्र कुमार, अमित कुमार, सतेंद्र पाण्डेय, शोएब, नसरत, लालबाबू, दिनेश आदि सभासद समेत कर्मचारी व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पशु एवं पक्षियों के लिए भी पानी व्यवस्था की

बिल्हौर। गर्मी से राहत देने के लिए नगर पालिका प्रशासन ने राहगीरों के प्याऊ घर खुलवाए जाने के साथ-साथ जगह-जगह नांद रखवा कर पशु एवं पक्षियों के पानी की भी व्यवस्था की है।ईओ अंजनी मिश्रा ने बताया कि जगह- जगह नांद रखवा कर पेयजल की व्यवस्था की है। जिससे बेजुबान भी अपनी प्यास बुझा सकेंगे।

कानपुर में खलवा पुल के पांच में से तीन पंप खराब पड़े

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जलकल महाप्रबंधक एके त्रिपाठी ने जूही खलवा आईपीएस का निरीक्षण किया। यहां 430 एचपी के तीन और 190 एचपी के दो मोटर पम्प हैं जिनमें 430 एचपी एवं 190 एचपी के एक-एक पंप दो माह से खराब पड़े हैं। एक पैनल भी मेंटेनेंस में पाया गया। 1250 केवीए का एक डीजी सेट भी खराब मिला।

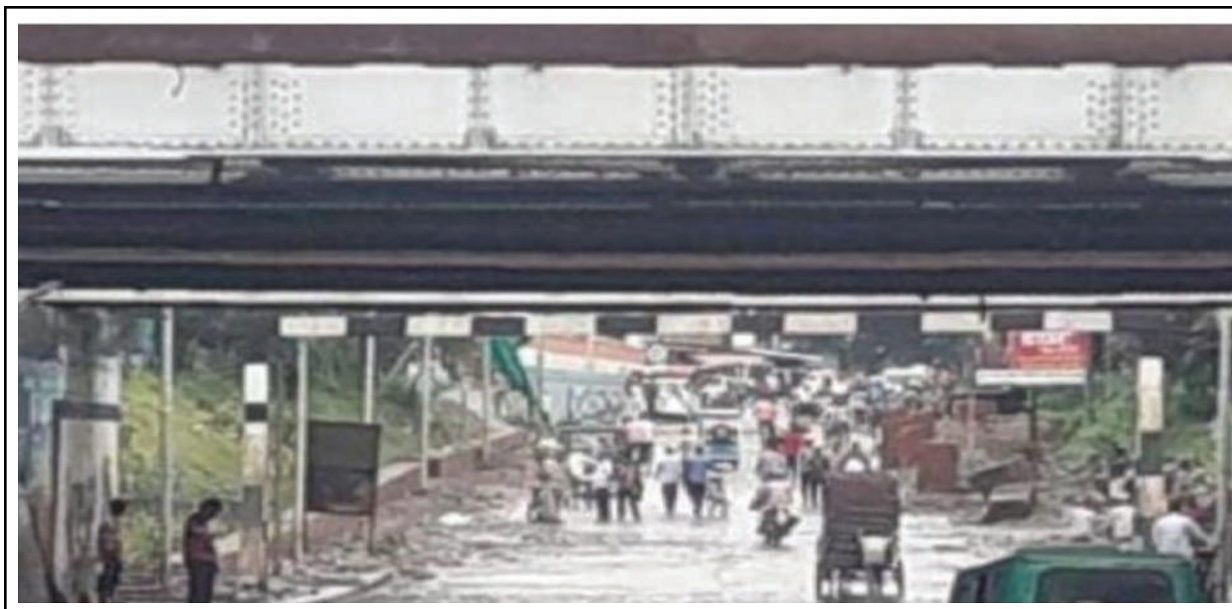

पम्प ऑपरेटर बलवीर सिंह एवं अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) से कहा गया कि तत्काल पंपिंग प्लांट क्रियाशील कराएं। कभी भी बरसात हो सकती है इसलिए सभी मोटर पम्प, पैनल क्रियाशील अस्वथा में रखे जाएं। इस दौरान लगभग 700 लीटर डीजल स्टॉक में पाया गया। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन डीजी सेट को स्टार्ट कर टेस्टिंग की जाए।

2 महीने के लिए वाहन धुलाई सेंटर होंगे बंद

महापौर प्रमिला पांडेय ने सोमवार को जल कल विभाग एवं अभियन्त्रण विभाग के साथ वाहन धुलाई सेन्टर एवं प्याऊ के संबंध में बैठक की। महाप्रबन्धक जलकल आनन्द कुमार त्रिपाठी ने बताया कि जलकल विभाग में कुल 202 पंजीकृत धुलाई सेन्टर हैं। महापौर ने निर्देशित किया कि पंजीकृत धुलाई सेन्टरों को 2 माह के लिये बन्द करायें। कुछ लोग जलापूर्ति विभाग की लाइन में बड़ी मोटर फिट करके पानी बेच रहे हैं। पंजीकृत के अतिरिक्त हजारों अवैध धुलाई सेन्टर पूरी तरह हटायें। जो सड़क पर बोरिंग हैं उन्हें भी हटायें।

गणेशपुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय में 8 बजे के बाद पहुंच रहे शिक्षक

» समय से नहीं खुल रहे सरकारी स्कूल, बच्चे परेशान

» विकासखंड रामनगर के गणेशपुर पूर्व माध्यमिक विद्यालय में शिक्षकों की लापरवाही सामने आई है

स्वराज इंडिया संवाददाता

सूरतगंज(बाराबंकी)। विकासखंड रामनगर में शिक्षकों की लापरवाही सामने आई है। प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक समय का पालन नहीं कर रहे हैं। शासन ने स्कूल सुबह 7:30 बजे खोलने के निर्देश दिए हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने भी इस संबंध में आदेश जारी किए थे लेकिन शिक्षक इन आदेशों की अनदेखी कर रहे हैं।

मंगलवार को गणेशपुर के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में सुबह 7:40 बजे तक ताला बंद था। बच्चे स्कूल गेट के बाहर खड़े रहे। शिक्षक 8 बजे पहुंचे और तब स्कूल खुला। पूर्व माध्यमिक विद्यालय लोहटी जई में भी यही स्थिति थी। वहां भी गेट और प्रधानाचार्य का कार्यालय बंद था। रसोइया ने गेट खोलकर बच्चों को अंदर प्रवेश कराया। शिक्षकों की बुलाई जाएगी बैठक

ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक समय पर नहीं पहुंचते। ऐसे में वे बच्चों को समय और अनुशासन का पाठ कैसे पढ़ाएंगे। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। खंड शिक्षा अधिकारी रमेश चंद्रा ने कहा कि सभी विद्यालयों को समय पालन के सख्त निर्देश दिए गए हैं। अनुशासनहीनता मिलने पर शिक्षकों के खिलाफ कार्रवाई होगी। जल्द ही प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की बैठक बुलाकर कड़े निर्देश दिए जाएंगे।

किन्नरो ने निकाला पाकिस्तान के खिलाफ मार्च

स्वराज इंडिया संवाददाता

रामनगर (बाराबंकी) । राष्ट्रीय सनातन संघ की जिला अध्यक्ष एवं गणेशपुर गद्दी की गुरु ललिता किन्नर ने किन्नरों व हिंदू सनातन समस्त जनता के साथ अपने आवास से लोधौरा चौराहे तक पैदल मार्च निकालकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री का पुतला फूंका।

और पहलगाम में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति शोक सवेदना व्यक्त किया इस मौके पर ललित किन्नर ने संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि किन्नर समाज की ओर से सरकार से मांग करती हूं कि उन्होंने 28 को मारा है इसके जवाब में 28000 पाकिस्तानियों को मारना चाहिए। हमारी सरकार ऐसा निर्णय ले जिससे आतंकवादियों के लिए एक नजीर बन जाए कि हिंदुस्तान की धरती पर अपने नापाक कदम रखेंगे तो पाकिस्तानियों की यही कबर खोद दी जाएगी प्रदर्शन में शामिल कोमल तिवारी करण गोस्वामी करीना किन्नर माही किन्नर अनुष्का किन्नर कशिश किन्नर नगीना किन्नर ज्योति किन्नर शिल्पी किन्नर बाबा किन्नर अन्य किन्नर सोनम किन्नर मौजूद रहे।

संविदा कर्मचारियों को कमजोर ना समझें पावर कारपोरेशन के अधिकारी

छंटनी के आदेश वापस नहीं लिए जाते तो 1 मई से पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा

स्वराज इंडिया संवाददाता

फतेहपुर बाराबंकी। विद्युत उपखंड कार्यालय पर विद्युत संविदा कर्मचारियों ने धरना प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कॉरपोरेशन द्वारा की जा रही छंटनी और दो माह से वेतन नहीं मिलने का विरोध जताया।कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि अगर 30 अप्रैल तक उनका बकाया वेतन नहीं दिया जाता और छंटनी के आदेश वापस नहीं लिए जाते, तो 1 मई से पूर्ण कार्य बहिष्कार किया जाएगा।

यह कार्य बहिष्कार संगठन के नेतृत्व में किया जाएगा।

धरना प्रदर्शन में संगठन के अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, संरक्षक शंकर सिंह और कोषाध्यक्ष शिवम अवस्थी मौजूद रहे। इसके अलावा फुरकान खान, मनोज सिंह, नितेश विश्वकर्मा, अशीष सैनी, सूरज यादव, दिनेश कुमार उर्फ राज कुमार, नागेंद्र कुमार, विनोद कुमार, रमा पति, अंशुल निगम, अमित वर्मा, शिव करन और कपूर सहित अन्य रेगुलर एवं संविदा कर्मचारी भी उपस्थित थे।

बेटी की सगाई टूटी, सास-दामाद फरार

प्यार चढ़ा परवान, पुलिस के डर से वापस लौटे

अलीगढ़ जैसा मामला

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

गोंडा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक महिला अपने ही होने वाले दामाद के साथ फरार हो गई। पुलिस तक मामला पहुंचने के बाद दामाद और सास बस्ती जिला पहुंच गए। वहां दुबौलिया थाने पहुंचकर पुलिस से मदद की गुहार लगाई। इसके बाद बस्ती पुलिस ने दोनों को गोंडा पुलिस के सुपुर्द कर दिया। अब महिला अपने पति के साथ रहने की इच्छा जता रही है।

मीडिया सूत्रों के मुताबिक, बस्ती के दुबौलिया क्षेत्र के एक युवक का रिश्ता 4 महीने पहले गोंडा जिले की एक युवती से तय किया गया था। सगाई के बाद युवक और युवती के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ, लेकिन कुछ ही समय में युवती की मां भी युवक से संवाद करने लगी। शुरुआत में इस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया, मगर समय के साथ दोनों की बातचीत में बढ़ोतरी और व्यवहार में बदलाव ने परिजनों को शक में डाल दिया। जब मामला खुला, तो लड़की वालों ने रिश्ता तोड़ते हुए युवती का विवाह किसी और से तय कर दिया। लेकिन युवक और उसकी होने वाली सास के बीच संपर्क बना रहा।

परिवार वालों के मुताबिक, युवक और महिला 3 दिन पहले अचानक लापता हो गए। जब खुद से तलाश के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिली तो परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने खोड़ारे पुलिस को सूचना दी। इसके बाद दोनों को खोड़ारे पुलिस के सुपुर्द कर दिया। पूछताछ में महिला ने अपने कृत्य पर अफसोस जताया।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने आतंकियों के आका पाकिस्तान को ललकारा

पहलगाम आतंकियों के मददगार को छोड़ेंगे नहीं

» देवरिया में 676 करोड़ से अधिक की 501 विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

देवरिया। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर पड़ोसी देश पाकिस्तान को ललकारा है। योगी ने कहा कि भारत हमले के आरोपी आतंकियों को किसी हालत में नहीं छोड़ेगा। आतंकियों के मददगार नहीं बचेंगे। योगी ने सपा और कांग्रेस पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले पर विपक्षी नेताओं के बयान शर्मनाक हैं। विपक्षी पाकिस्तान की भाषा बोल रहे हैं। पूरे देश में पहलगाम हमले को लेकर आक्रोश है।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले प्रयागराज जिला शिक्षा के मामले में नंबर वन था। यह जिला प्रतियोगी परीक्षार्थियों की वजह से जाना जाता था। बीच में ऐसा कालखंड आया जब प्रयागराज को माफियाओं के नाम से जाना जाने लगा। हमारी सरकार में इस माफियाराज को खत्म कर दिया गया। पिछले दिनों प्रयागराज की ही बेटी शक्ति दुबे ने यूपीएससी परीक्षा में पूरे देश में पहला स्थान पाकर पूरे यूपी का नाम रोशन कर दिया है।

दंगा मुक्त, माफिया मुक्त हुआ उत्तर प्रदेश

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश दंगा मुक्त हुआ, सुरक्षा का एक बेहतरीन वातावरण बना तो देखते ही देखते देश और दुनिया के यात्री और पर्यटक उत्तर प्रदेश की ओर उमड़ पड़ा। जिस उत्तर प्रदेश में 2017 के पहले वर्ष भर में मात्र लाखों की संख्या में पर्यटक आते थे, वहीं आज यह संख्या करोड़ों में पहुंच रही है। महाकुम्भ में ही 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु उत्तर प्रदेश आए। इस वर्ष आंकलन करेंगे तो प्रदेश में पर्यटकों की संख्या 100 करोड़ के ऊपर पहुंचेगी।

सीएम योगी मंगलवार को देवरिया में 676 करोड़ से अधिक की 501 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति-पत्र/चेक का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले दिन से सरकार ने तय किया कि अपराध और अपराधियों के प्रति, भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत काम करेगी। आज परिणाम सबके सामने है।

उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने विगत 8 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप मजबूती के साथ सफलता की ओर कदम बढ़ाए हैं। बिना रुके, बिना थके, बिना डिगे यह यात्रा अनवरत जारी रहेगी।

हापुड़: एंटी करप्शन टीम के जाल में फंस गए दो बाबू

70 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ दो बाबू गिरफ्तार

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

हापुड़। यूपी के हापुड़ में एंटी करप्शन की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगवार की सुबह बीएसए कार्यालय के बाहर चाय की दुकान से दो बाबुओं को 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। बाबू ने ये रिश्वत स्कूल की मान्यता के नवीनीकरण के लिए मांगी थी। मेरठ से आई एंटी करप्शन की टीम ने बाबू को पकड़ने के लिए जाल बिछाया था। थाना देहात में टीम बाबुओं को लेकर पहुंची और पूछताछ में जुट गई। एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक दुर्गेश कुमार ने बताया कि कुछ दिन पहले कोतवाली पिलखुवा क्षेत्र के शिवालिक ग्रीन निवासी सुकुमार पहाड़ी ने तीन दिन पहले उनसे शिकायत की थी। शिकायत में उन्होंने बताया था कि उनका पिलखुवा में भविष्य पब्लिक स्कूल के नाम से स्कूल है।

स्कूल की मान्यता का नवीनीकरण होना है। इसके लिए उन्होंने बीएससी विभाग में संपर्क किया था। जहां उनकी मुलाकात बीसीए विभाग में तैनात कनिष्क सहायक दीपेंद्र शर्मा और संविदाकर्मी निखिल शर्मा से हुई थीं। जिसके बदले 70 हजार रुपये की मांग की गई थी। शिकायत के आधार पर उनको पकड़ने की योजना बनाई गई। उन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह निरीक्षक मयंक अरोड़ा, योगेंद्र धामा, कृष्ण अवतार सिंह, उप निरीक्षक कृष्ण कुमार यादव, राहुल देव तोमर, जसवीर सिंह समेत बीस सदस्यों की टीम पहुंची। इसके बाद दोनों को चाय की दुकान से गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते वरिष्ठ लिपिक दबोचा

वहीं दूसरी ओर सहारनपुर जिले की तहसील रामपुर मनिहारान के संग्रह अनुभाग में तैनात वरिष्ठ लिपिक को भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) टीम ने पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया था। आरोपी लिपिक किसान से जमीन के कागजातों से ऋण हटाने के नाम पर रिश्वत ले रहा था। वरिष्ठ लिपिक को एंटी करप्शन की टीम पकड़कर कोतवाली सदर बाजार लेकर आई और मुकदमा दर्ज कराया। एंटी करप्शन थाने के प्रभारी जसपाल सिंह ने बताया कि थाना नानौता के गांव काशीपुर निवासी डॉ. अरुण कुमार और उनके पिता रामवीर सिंह किसान हैं।

रामवीर ने पंजाब नेशनल बैंक से 18.50 लाख रुपये का लोन लिया था, जिसे उन्होंने चुका दिया था। इसके पश्चात बैंक से एनओसी मिल गई थी, लेकिन जमीन की खतौनी और कागजातों में ऋण दर्ज था। इसे लेकर डॉ. अरुण कुमार तहसील रामपुर मनिहारान के संग्रह अनुभाग में पहुंचे और एनओसी दिखाई। आरोप है कि यहां तैनात वरिष्ठ लिपिक दुर्गा प्रसाद कपिल निवासी मोहल्ला सूर्य विहार प्रद्युमनगर ने उनसे पांच हजार रुपये की मांग की। टीम ने तहसील रामपुर मनिहारान के संग्रह अनुभाग से वरिष्ठ लिपिक को दुर्गा प्रसाद कपिल को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया।

राहुल गांधी दिशा की बैठक में पहुंचे

मंत्री-विधायक, 78 विभागों के अफसर हुए शामिल

» रायबरेली, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रायबरेली से कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार को अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। यहां कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। सोलर प्लांट का उद्घाटन और नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद राहुल गांधी दिशा की बैठक में पहुंचे। इस बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश सिंह, सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, शिक्षक एमएलसी उमेश द्विवेदी आदि ने भी भाग लिया। बैठक में 78 विभागों के अफसर मौजूद रहे।

इसके पहले सांसद राहुल गांधी लखनऊ से बाई रोड रायबरेली के लिए रवाना हुए। हर बार की तरफ इस बार उन्होंने बछरावां के चुरवा मंदिर में पूजा अर्चना नहीं की और उनका काफिला रायबरेली की ओर निकल पड़ा। रायबरेली पहुंचने पर राहुल गांधी ने सबसे पहले कुन्दनगंज में विशाखा फैक्ट्री में 2 मेगावाट के सोलर प्लांट का उद्घाटन किया। इसके बाद राहुल का काफिला रायबरेली शहर की ओर चल पड़ा।

सिविल लाइन चौराहे में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया। इसके बाद वह कलेक्ट्रेट के बचत भवन में आयोजित दिशा की बैठक में शामिल हुए। दिशा की बैठक में प्रदेश सरकार के मंत्री दिनेश सिंह, सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, शिक्षक एमएलसी उमेश द्विवेदी आदि ने भाग लिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रायबरेली के बछरावां क्षेत्र के विशाखा इंडस्ट्रीज कंपनी में कामकाज का जायजा भी लिया।